UTSAV FOUNDATION

PAINTING SYLLABUS-2025-26

Class: 11th & 12th (**चित्रकला)** कोड संख्या: **332**

EXAMINATION BOARD: NIOS

परिचय

चित्रकला एक दृश्य अभिव्यक्ति का माध्यम है। इसमें औपचारिक और तकनीकी चिंताओं की खोज पर जोर दिया जाता है। मूल अध्ययन में चित्रण शामिल है और यह विभिन्न विषयों, वस्तुओं और माध्यमों की खोज करेगा, जो दो-आयामी सतह के संगठन की ओर निर्देशित है।

यह आत्म-अभिव्यक्ति का एक शक्तिशाली माध्यम है जो संतुष्टि और उपलब्धि की भावना प्रदान करता है। रंग और अनुपात के माध्यम से खुद को व्यक्त करने के कौशल विकसित करने में मदद करता है और सौंदर्य बोध को भी बढ़ावा देता है। यह रेखा, बनावट, स्थान, लय आदि के अभिव्यंजक मूल्य को समझने में भी सहायक है।

तर्क

यह पाठ्यक्रम व्यावहारिक कार्य और कौशल के आवश्यक इनपुट के साथ प्रदान किया जाता है, ताकि कला के सिद्धांतों से परिचित कराया जा सके। यह सौंदर्य विकास, जीवन की सुंदरता की खोज और इसे अपने व्यक्तित्व में समाहित करने की क्षमता को आगे बढ़ाएगा। इस प्रकार, कला सांस्कृतिक विरासत, पर्यावरण को समझने और दिन-प्रतिदिन की गतिविधियों में रचनात्मक दृष्टिकोण विकसित करने में सहायक होगी।

उद्देश्य

- इस पाठ्यक्रम को पूरा करने के बाद, शिक्षार्थी सक्षम होंगे:
- दृश्य विचारों को समझा पाएंगे;
- स्थान विभाजन और रेखा के अभिव्यंजक मूल्य में अंतर कर पाएंगे;
- विभिन्न कला शैलियों और उनकी प्रमुख विशेषताओं के बीच अंतर कर पाएंगे;
- रंगों के सामंजस्य और विरोधाभास के साथ काम कर पाएंगे;
- पेंसिल, पेस्टल, जल और तेल रंग, स्याही आदि जैसे विभिन्न सामग्रियों से चित्रण और चित्र बना पाएंगे;
- संरचना, लय, बनावट और टोनल ग्रेडेशन के दृश्य पहलुओं को समझा पाएंगे।

- क्षेत्र और नौकरी के अवसर

UTSAV FOUNDATION

PAINTING SYLLABUS-2025-26

Class: 11th & 12th (**चित्रकला)** कोड संख्या: **332**

EXAMINATION BOARD: NIOS

- इस क्षेत्र में रोजगार के कई अवसर हैं, जिनमें से कुछ हैं:
- इलस्ट्रेटर, प्रिंटमेकर, डिज़ाइनर, चित्रकार, आंतरिक सज्जा डिज़ाइनर, ग्राफिक डिज़ाइनर, डिज़ाइनर और शिक्षण इत्यादि।

पात्रता शर्तें

आयु: 15 वर्ष

योग्यता: 10वीं पास

क्रम.	मॉड्यूल के अनुसार वितरण	न्यूनतम अध्ययन घंटे	अंक
1	भारतीय चित्रकला और मूर्तिकला की ऐतिहासिक सराहना	20	12 अंक
2	भारतीय समकालीन और लघु चित्रकला की ऐतिहासिक सराहना	20	14 अंक
3	रेखांकन और चित्रकला में उपयोग की जाने वाली विधि और सामग्री	20	8 अंक
4	भारत में आदिवासी और लोक कला	10	6 अंक
	अंक कुल:	70 घंटे	40 अंक

1	प्रकृति और वस्तु का अध्ययन	60	20 अंक
2	विभिन्न सरचना, पोस्टर और बनावट का निर्माण	60	20 अंक
3	कोलाज, ग्राफिक्स और विभिन्न कला रूपों का निर्माण	30	10 अंक
	पोर्टफोलियो जमा करना (गृहकार्य) -	20	10 अंक
	अंक कुल:	240 घंटे	60 अंक

पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम का विवरण

सिद्धांत /THEORY 40 अंक

मॉड्यूल 1. भारतीय चित्रकला और मूर्तिकला की ऐतिहासिक मगहना 12 अंक

UTSAV FOUNDATION

PAINTING SYLLABUS-2025-26

Class: 11th & 12th **(चित्रकला)** कोड संख्या: **332**

EXAMINATION BOARD: NIOS

प्रस्तावना

सिंधुघाटी सभ्यता से संबंधित कला और मूर्तिकला भारत की एक महान परंपरा का एकमात्र उपलब्ध प्रारंभिक प्रमाण है। इन कला एवं मूर्तिकला-संबंधी कार्यों के माध्यम से हमें यह समझने में मदद मिलती है कि भारतीय कला की परंपरा बहुत पहले शुरू हो गई थी। राजनीति और धर्मों की बदलती स्थितियाँ 16वीं सदी ईसवी तक भारतीय कला को प्रेरित करती रही। परंतु कला के क्षेत्र में सिंधु घाटी सभ्यता से लेकर मौर्य काल तक की अवधि के बीच लगभग 1000 वर्षों के विवरण प्राप्त नहीं हैं।

भारत की वास्तुकला और मूर्तिकला कई शताब्दियों के मध्य विकसित हुई है और यह मध्यकाल के दौरान अपने सबसे शानदार चरणों में मिलती है। इस अवधि में भारतीय मूर्तिकला ज़्यादातर मंदिर अलंकरण के लिए थी और ये मंदिर अपनी सादगी, स्मारकीयता और राजसी छवियों के लिए महत्वपूर्ण हैं।

पाठ 1: भारत की प्रागैतिहासिक चित्रकला विषय

- मिर्जापुर के शैलचित्र
- पंचमढ़ी के शैलचित्र
- भीमबेटका के शैलचित्र

पाठ 2: सिंधुघाटी सभ्यता की चित्रकला

विषय

- सिंधुकालीन बर्तनों पर पशु-आकृतियाँ
- हड़प्पा के बर्तन-भंडारण-मर्तबान
- हड़प्पा मिट्टी के बर्तन चौड़े मुँहवाला कटोरा
- सिधुघाटी सभ्यता के बर्तनों पर व्यापती महली (मोटिफ) चित्रित बर्तन
- घाटी बर्तनों पर पक्षी आकृक्तियां

- हड़प्पा मिट्टी के बर्तन चौड़े मुँहवाला कटोग

पाठ 3: अजंता एवं उत्तर अजता चित्रकला

विषय

- बोधिसत्व अवलोकितेश्वर
- अप्सरा
- छत की सजावर
- बाघ गुफा

पाठ 4: सिंधुघाटी सभ्यता की मूर्तिकला

विषय

- योगी आवक्ष
- नर्तकी
- मातृदेवी

पाठ 5: मौर्य एवं उत्तर-मौर्यकला

विषय

- चवंरधारिणी यक्षिणी
- हाथ में पिंजरा लिए यक्षिणी
- बुद्धकी खड़ी प्रतिमा

मॉड्यूल 2: भारतीय समकालीन और लघु चित्रकला की ऐतिहासिक सराहना 14 अंक

प्रस्तावना

हिंदू, मुस्लिम, बौद्ध और जैन शासकों के संरक्षण में भारतीय कला 16वी. सदी तक विकसित हुई। कला-आंदोलन का एक नया युग शुरू हुआ जब मुगल भारत के शासक बने। इस संदर्भ में भारत की सिधुमाटी सभ्यताका स्वर्णिम अध्सय माना जाता है। इस समय में कला के अनेक रूप दिखाई देते हैं, जिनमें मूर्तियाँ, मुहरे, बर्तन अनेक तरह के आभूषण, टेराकोटा आदि शामिल हैं।

सिधुघाटी-मूर्तिकला ने नागरिक जीवन पर अधिक जोर दिया। विशिष्ट लघु चित्रकारी पर प्रकृतिवाद का प्रभाव है। इनमें परिष्कृत शिल्प कौशल और रचना की महारत के चिह्न मिलते हैं।

20वीं शताब्दी और उसके बाद की भारतीय समकालीन कला विविध है। इस युग के कलाकार किसी खास शैली और पद्धति तक ही सीमित नहीं रहे।

पाठ 6: मध्यकालीन चित्रकला

विषय

- पंचरक्षा तारा
- जैन ताड़पत्र चित्रकला
- राजस्थानी चित्र

पाठ 7: मुगल चित्रकला

विषय

- अकबर काल
- बाज़ के साथ राजकुमार (जहाँगीर काल)
- बारबेट (हिमालय क्षेत्र में पाया जानेवाला नीली गर्दनवाला पक्षी) जहाँगीर काल

- मैडोना का चित्र लिए जहाँगीर

पाठ 8: पहाड़ी चित्रकला

विषय

- कदंब वृक्ष के नीचे, कांगड़ा शैली
- वर्षा : कांगड़ा शैली
- कमल-पुष्प धारण किए कृष्ण की राधा से प्रेमलीला
- दरबारी को संबोधित करते कृष्ण : बसोहली शैली
- विश्वरूप : चंबा शैली

पाठ ९: दक्षिण भारतीय चित्रकला

विषय

- तंजौर चित्रशैली पचमुखी आजनेप
- जोर है। के
- मैसूर चित्रशैली मत्स्यावतार
- दक्कनी लघुवित्र बाज द्वारा शिकार करती चौद बीबी

पाठ 10: कंपनी चित्रशैली

विषय

- भारतीय साधारण चकोर चिड़िया

- वाज़ार का दृश्य
- पालकी

पाठ 11: समकालीन कला एवं कलाकार

विषय

- राजा रवि वर्मा - सुभद्रा हरण
- अवनींद्रनाथ टैगोर जर्नीस एंड
- जामिनी राय माँ और बच्चा
- अमृता शेरगिल- दुल्हन का श्रृंगार
- एम.एफ. हुसैन- नाद स्वरम् गणेश्यम्
- के. के. हेब्वार-शीर्षकविहीन

मॉड्यूल 3: रेखांकन और चित्रकला में उपयोग की जाने वाली विधि और सामग्री 8 अंक

प्रस्तावना

यह मॉड्यूल रेखांकन और चित्रकला में उपयोग की जाने वाली सामग्री से संबंधित तकनीक, पद्धतियों और सर्वोत्तम प्रथाओं की एक श्रृंखला का परिचय देता है। विशिष्ट शब्दावली के परिचय और अभ्यास से व्यावहारिक कार्य की एक निरंतरता लागू होती है। विद्यार्थियों को जानकारी की एक विस्तृत श्रृंखला से जुड़े सैद्धांतिक, भौतिक और सैद्धांतिक मुद्दों की सराहना की क्षमता प्राप्त होगी जो रेखांकन और चित्रकला के अभ्यास के लिए गौलिक है जिसमें मिश्रित मीडिया और नई प्रौद्योगिकियों के उपयोग करने की प्रवृत्ति भी शामिल होगी।

पाठ 12: भारतीय कला में फैस्को एवं टेंपग

विषय

.

- मरणासन्न राजकुमारी
- राजकुमार और राजकुमारी
- . मार विजय
- बैलों की लड़ाई

पाठ 13: सूखे माध्यमों से चित्रण एवं रेखांकन

विषय

- पूजा का चौक
- डोरा मार
- बकरी के साथ लड़की
- रेसकोर्स

पाठ 14: भित्तिचित्र एवं मुद्रण

विषय

- अजंता के भित्तिचित्र- पद्मपाणि बोधिसत्व
- छापाचित्र- लिनोकट
- सब्जियों द्वारा छापाचित्रण

- अँगूठे एवं अँगुलियों द्वारा छापाचित्रण

मॉड्यूल 4: भारत में आदिवासी और लोक कला 6 अंक

प्रस्तावना

आदिवासी और लोककला को ग्रामीण समाज में अभिव्यक्ति का एक अनिवार्य रूप माना जाता है, जिसकी अपनी विभिन्न विशेषताएं है। भारत में जनजातीय और लोककला की एक विशाल श्रृंखला है जो उनके सामाजिक और धार्मिक विश्वासों को अनुसार करा में सैनी भिन्नता होती है। भारत में जनजाती और लोककता की एक विशाल श्रृंखला है जो मि हर राज्य ने अपनी कला और शिल्प में अपने को विकसित किया है।

पाठ 15: लोक एवं आदिवासी कला

विषय

- वार्ती चित्र पालघाट देची का चौक
- पिथोरा चित्र पिथोरा चित्र
- मधुबनी अथवा मिथिला चित्रकला कोहचा पा
- कालीघाट चित्रशैली सीता एवं लव-कुश
- कलमकारी सीता स्वयंवर

प्रयोगात्मक /PRACTICAL 60 अंक

मॉड्यूल 1: प्रकृति और वस्तु का अध्ययन 20 अंक

पाठ 1: पेंसिल और रंगों से प्रकृति-चित्रण

विषय

- प्रकृति चित्रण (3) अभ्यास)

  पाठ 2: छाया प्रकाश द्वारा स्थिर वस्तु चित्रण

  विषय

- वस्तु : ड्रेपरी के साथ (3 अभ्यास)

  पाठ 3: मुखाकृति चित्रण

  विषय

- मुखाकृति का अध्ययन
- चेहरे के भाव

मॉड्यूल 2: विभिन्न संरचना, पोस्टर और बनावट का निर्माण 20 अंक

पाठ 4: संवीजन के रचनात्मक रूप

विषय

- मानव का साथ आकारिक रचना और जानवर
- परिदृश्य
- व्यामितीय रूप

पाठ 5: पोस्टर निर्माण

विषय

- वन्यजीवों का संरक्षण 1 कार्य

- वनों की कटाई । कार्य
- रास्ते पर सुरक्षा । कार्य

पाठ 6: बनावट का निर्माण और छपाई

विषय

- लिनोकट की प्रक्रिया
- स्क्रीन मुद्रण प्रक्रिया
- ब्लॉक प्रिंटिंग

3. मॉड्यूल 3: कोलाज, ग्राफिक्स और विभिन्न कला रूपों का निर्माण **10 अंक**

पाठ 7: कोलाज निर्माण

विषय

रंगीन कागज के साथ कोलाज बनाना

फोटो-मोंटाज बनाना

अपशिष्ट पदार्थों का उपयोग करके कोलाज निर्माण

पाठ 8: अनुप्रयुक्त कला ग्राफिक डिजाइन विषय

* हाथ से ग्रीटिंग कार्ड तैयार करना

डिजिटल रूप में जन्मदिन कार्ड तैयार करें

लोगो डिजाइन (मैनुअल और डिजिटल)

UTSAV FOUNDATION

PAINTING SYLLABUS-2025-26

Class: 11th & 12th (**चित्रकला)** कोड संख्या: **332**

EXAMINATION BOARD: NIOS

बुक कवर तैयार करना (डिजिटल)

पाठ 9: आदिवासी एवं भरन सृजनात्मक डिज ाइन

विषय

* मधुबनी चित्र बनाना

भौल शैली का चित्र बनात

कोलम पेंटिंग बनाना

पोर्टफोलियो **10 अंक**

शिक्षार्थी को कम से कम 20 कार्यों की रेखाकन पुस्तिका (Sketch Book) और 06 कार्यों का एक संग्रह प्रस्तुत करने की आवश्यकता होती है।

'विभिन्न रचनाएं पोस्टर और रेखांकन करना' से संबंधित कार्य **3 अंक**

निम्नलिखित के अनुसार न्यूनतम तीन कार्य प्रस्तुत करनाः

- स्लोगन के साथ एक चित्रण; एक पोस्टर (A4 आकार के कागज पर)
- एक अलग माध्यम के साथ एक लैंडस्केप; (A4 आकार के कागज पर)
- मानव और पशु आकृति के साथ एक संरचनाः (A4 आकार के कागज पर)

उपयोग की जाने वाली सामग्री: पारंपरिक या स्थानीय:

रूप से उपलब्ध सामग्री, ए4 आकार के कागज, रंग, पेंसिल आदि

स्केच बुक

'**प्रकृति और वस्तु अध्ययन**' से संबंधित 20 रेखाचित्रों की रेखांकन पुस्तिका

(काले और सफेद/रंग)

***नोटः सत्र कार्य के रूप में शिक्षार्थी के लिए पोर्टफोलियो प्रस्तुत करना अनिवार्य है।**

UTSAV FOUNDATION

PAINTING SYLLABUS-2025-26

Class: 11th & 12th (**चित्रकला)** कोड संख्या: **332**

EXAMINATION BOARD: NIOS